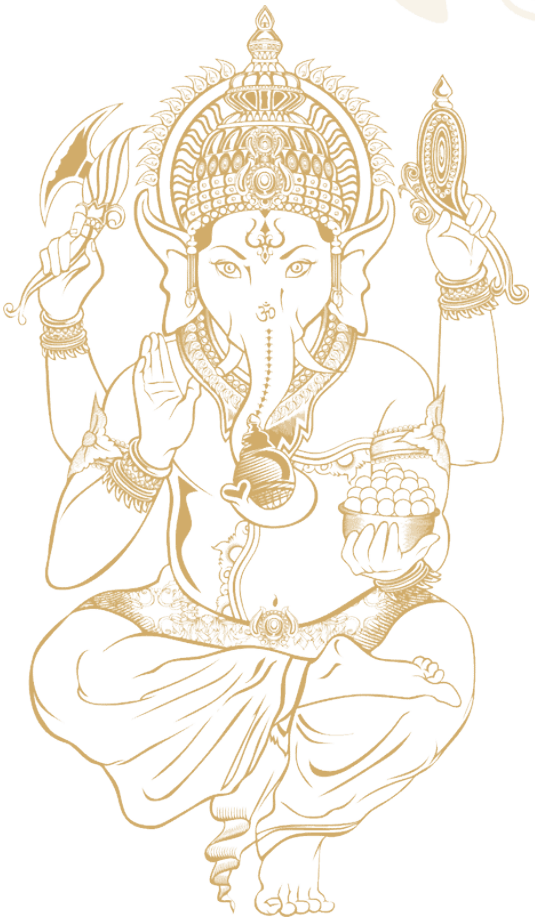

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121930703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	15/06/1998
बुध-गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	06:45:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	03:00:45 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Bundi
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	25:28:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	75:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:27:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	05:36:18
18:35:28	सूर्यास्त	19:18:57
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि		22:47:35	धनु	लग्न	मिथु	14:44:25	मंगल 3वर्ष 11मा 1दि	
चन्द्र		01:02:05	मीन	सूर्य	वृष	29:55:46	गुरु	
04/02/2017		16:04:14	सिंह	चंद्र	मक	29:12:01	16/05/2020	
05/02/2027		19:51:39	कर्क व	मंगल	वृष	21:33:23	16/05/2036	
चन्द्र	06/12/2017	07:37:55	कुंभ	बुध	मिथु	05:46:55	गुरु	04/07/2022
मंगल	07/07/2018	21:09:39	वृश्चि	गुरु	मीन	02:31:00	शनि	15/01/2025
राहु	06/01/2020	21:31:00	मक	शुक्र	मेष	24:58:42	बुध	22/04/2027
गुरु	07/05/2021	22:25:21	कुंभ	शनि	मेष	06:43:12	केतु	28/03/2028
शनि	06/12/2022	12:26:34	तुला व	राहु व	सिंह	10:05:16	शुक्र	27/11/2030
बुध	06/05/2024	12:26:34	मेष व	केतु व	कुंभ	10:05:16	सूर्य	16/09/2031
केतु	06/12/2024	05:38:52	मक	हर्ष व	मक	18:35:25	चन्द्र	15/01/2033
शुक्र	06/08/2026	01:15:20	मक	नेप व	मक	07:53:34	मंगल	21/12/2033
सूर्य	05/02/2027	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	12:23:01	राहु	16/05/2036

लग्न-चलित

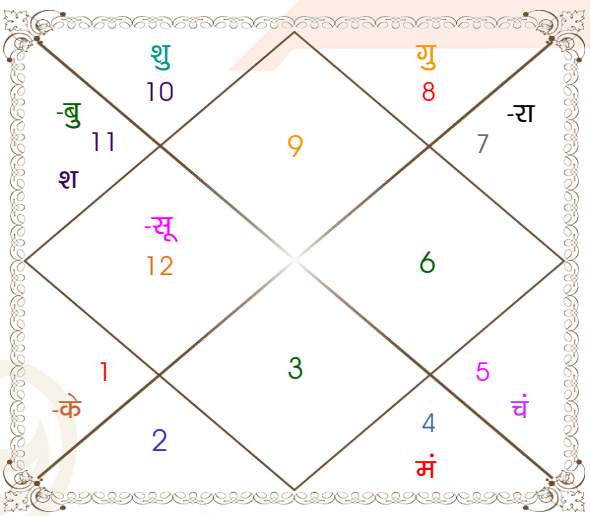

लग्न-चलित

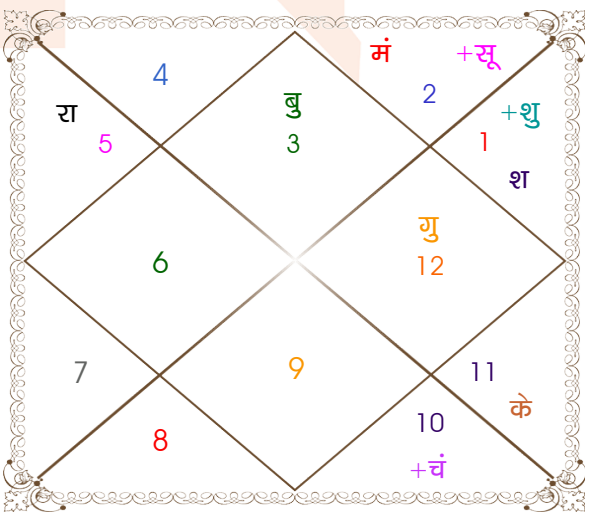

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	5.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग मार्जार हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु B कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।